जगदीश गुप्त

Scanned with OKEN Scanner

(स्व.) बाबूलाल

ISBN : *978-81-86602-75-1*

प्रकाशक : जे एम डी पब्लिकेशन
एल-51, द्वितीय तल
गली न. -22,
न्यू महावीर नगर
नई दिल्ली-110018

फोन (मोबाइल) : 09899313093 / 09312978228 / 09259380474

© : रचयिता

मुद्रक : जे एम डी प्रिन्टर्स (नई दिल्ली)

शब्द संयोजक : एस. एस. ग्राफिक्स (नई दिल्ली)

प्रथम संस्करण : 2008

मूल्य : रु. 125/- मात्र

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

1.	सरस्वती वन्दना	23
2.	रुदन	24
3.	दिल दौलत दुनिया	25
4.	नींद नहीं आती है	26
5.	प्रगति	28
6.	हार दिये ने फिर ना मानी	31
7.	सुख की नींद सो लें	32
8.	आगत का स्वागत है	34
9.	बसंत आया	36
10.	जिंदगी	38
11.	बाल-अपराधी	39
12.	नदिया	40
13.	अपना भारत देश महान	41
14.	ऋतुएं	42
15.	हे राम!	45
16.	जीवन यात्रा	47
17.	विडंबना	49
18.	ईमानदारी	50
19.	यादों की जब हवा चली	51
20.	आदमी	52
21.	चन्द मुक्तक	53
22.	कल आज और कल	54

Scanned with OKEN Scanner

23.	बेताल-कथा	56
24.	संवेदना	59
25.	ठंड की रात	60
26.	बदहाल बचपन	62
27.	काया-कल्प	63
28.	सोच	64
29.	गंगा-जमुनी संस्कृति	66
30.	पायेंगे मंजिल हिमाली शिखर पर	67
31.	दीप मिलन	68
32.	ये कैसा तंत्र है	70
33.	मुगालता	71
34.	रामराज्य	72
35.	परिवर्तन	74
36.	आखिर क्यों?	76
37.	आम आदमी बस है पैंसिजर	78
38.	मुस्कुराये फिर बचपन सच्चा	79
39.	आया ना फिर नया सवेरा	81
40.	सफर	82
41.	विचार कभी बूढ़े नहीं होते	83
42.	रोटी	85
43.	बस ढूँढते रहिए	88
44.	मेंढक	90
45.	तलाश जारी है	91
46.	अभिनन्दन है तुम्हारा	93

Scanned with OKEN Scanner

दिल दौलत दुनिया

दुनिया धुरी पर निश दिन घूमती है
अविराम, अचल तमाशा देखती है
गोल धरती को घुमाने वाली कोई शक्ति है
खोज किन्तु आज तक अनुत्तरित है।
वैज्ञानिक बगलें झांकते हैं
करोड़ों खर्च कर स्वयं सिद्ध मानते हैं।
उत्तर बिल्कुल सपाट है
मात्र एक गोल सिक्के का कमाल है।
सारी दुनिया चक्कर खा रही है
गोल सिक्के की धुरी पर छा रही है।
सिक्के की शक्ति विश्वशक्ति है
पूरे विश्व में इसकी भक्ति है।
विश्व, विकसित और विकासशील खेमों में बँटा है
दुनिया का प्यार, सिक्कों में छँटा है।
अणु-परमाणु, आयुध-बम इत्यादि उसके अंगरक्षक हैं,
बड़ी मछली, हर छोटी की भक्षक है।
थैली शाह राजनीति सिखाते हैं
छोट-बड़े को मंदिर-मस्जिद के प्रांगण में नचाते हैं।
घर में सिक्का संपन्न नवागत आधिपत्य जमाती है
और सिक्के से महरूम अपनी चिता स्वयं जलाती है।
सुंदर-सुशीला सिक्के के अभाव में ढल जाती है
और अयोग्य-बदचलन की दाल सिक्के सहारे गल जाती है।
आदर्श की पटरी पर लायक पुत्र सिक्के तले दम तोड़ता है
और रिश्वत का वाहक जश्न के फटाके फोड़ता है।

Scanned with OKEN Scanner

पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित अन्य पुस्तकें

1.	मेरी तुम्हारी और उसकी कहानी	(कहानी संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
2.	हिन्दी नागरी लिपि व अंक	(शोध ग्रन्थ)	,डॉ. सर्वदानन्द द्विवेदी
3.	कैसे-कैसे लोग?	(कहानी संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
4.	प्रशासनिक हास्य	(व्यंग्य संग्रह)	डॉ. कमल टावरी *आई.ए.एस.*
5.	ताकि सनद रहे	(कथा संग्रह)	डॉ. कमल टावरी *आई.ए.एस.*
6.	समकेस स्टडीज इन रूरल इंडस्ट्रीज		डॉ. कमल टावरी *आई.ए.एस.*
7.	अमृत वचन	(सुक्ति संग्रह)	डॉ. शीला टावरी
8.	21वीं सदी का आदमी	(कहानी संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
9.	अधूरी कविता	(काव्य संग्रह)	प्रभा दीक्षित
10.	अनुभूति के गुलमोहर	(काव्य संग्रह)	रेखा राजवंशी
11.	अंधेरे उजाले	(कहानी संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
12.	दीदी की लोक प्रिय कहानियाँ	(कहानी संग्रह)	डॉ. माधवी लता शुक्ला
13.	बचपन के दर्पण से	(बाल कहानी संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
14.	आतंकवाद की लपटें	(कहानी संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
15.	शबनम के मोती	(काव्य संकलन)	सम्पादक-अशोक मधुप
16.	वायस ऑफ हार्ट	(अंग्रेजी काव्य संग्रह)	सुशीला मिश्रा
17.	दास्तान-ए-जिंदगी	(गीत-ग़ज़ल संग्रह)	हर्ष महाजन
18.	पिघलते पल	(काव्य संग्रह)	सुशीला मिश्रा
19.	ख़ुशबुओं का शहर	(ग़ज़ल संकलन)	सम्पा. अशोक मधुप
20.	दि जंगल मोनार्क	(अंग्रेजी उपन्यास)	वी.पी. कंवर
21.	खामोश जिन्दगी	(काव्य संग्रह)	सुखवर्ष कंवर 'तन्हा'
22.	दहेज-ज्वाल	(खण्ड काव्य)	डॉ. गीता चौहान
23.	स्मृतियों का आँचल	(संस्मरण संग्रह)	सुशीला मिश्रा
24.	प्रेम-कमल	(गीत संग्रह)	प्रेमलता बेगवानी
25.	जेम्स फ्रॉम केव्स ऑफ ओशन	(कहानी संग्रह)	वी. पी. कंवर
26.	तन्दुल और तुलसीदल	(खण्ड काव्य)	ओमप्रकाश शुक्ल 'मधुकर'
27.	अनमोल मोती	(काव्य संग्रह)	सुशीला मिश्रा
28.	तुम छू लो	(काव्य संग्रह)	डा. अशोक मधुप
29.	आशा की किरण	(काव्य संग्रह)	डा. आशा गुप्ता
30.	अन्तर्व्यथा	(खण्ड काव्य)	बिन्दु कुलश्रेष्ठ
31.	पुष्पगन्धा	(काव्य संग्रह)	पुष्पा रस्तोगी
32.	शब्द-स्पन्दन	(काव्य संग्रह)	डॉ. रीता सिंह
33.	संकल्प	(कहानी संग्रह)	डा. अनामिका रिछारिया
34.	साहित्य मनीषीः डॉ. परमानन्द पांचाल		रामपाल पांचाल
35.	आनन्द कमल	(काव्य संग्रह)	ज्योति गुप्ता
36.	किरदार बोलते हैं	(कहानी संग्रह)	सुधा गुप्ता 'अमृता'
37.	बिखरे मोती	(काव्य संग्रह)	मंजरी राय
38.	सागर फिर भी खाली है	(काव्य संग्रह)	महेश पाण्डेय 'बजरंग'
39.	ये झरते अमलतास	(काव्य संग्रह)	कुसुमांजलि शर्मा
40.	शब्द सिर्फ कहते नहीं	(काव्य संग्रह)	जगदीश गुप्त

Scanned with OKEN Scanner

जीवन-परिचय

नाम	- जगदीश गुप्त।
जन्म	- 4 अक्टूबर 1946, सागर (म0प्र0)।
शिक्षा	- विज्ञान स्नातक।
साहित्यिक कार्यक्षेत्र	- संयोजक, प्रगतिशील लेखक संघ जिला इकाई(कटनी)। कार्यकारिणी सदस्य, म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई(कटनी)।
लेखन विधा	- कविता, कहानी, बालगीत, लेख आदि।
प्रकाशन	- राष्ट्रधर्म, मारवाड़ी डायजेस्ट, गहोई बंधु, दैनिक भास्कर, नवभारत, देशबंधु, स्वतंत्रमत, मध्यप्रदेश, एक्सप्रेस न्यूज आदि में प्रकाशन।
संकलन	- गहोई साहित्यकार और उनका रचनाकर्म (सतना) काव्यकलश (कटनी)।
प्रसारण	- आकाशवाणी जबलपुर से कविता, कहानी एवं सिटी टेलीविजन नेटवर्क कटनी से कविताओं का प्रसारण।
सम्मान	- पुष्पावती महोत्सव बिलहरी, कटनी (1995), कटायेघाट मेला समिति कटनी (1997), मंडल अभियंता दूरभाष राजभाषा इकाई कटनी (1995,98,04,06), रेल मनोरंजन गृह कटनी द्वारा सम्मानित (2000)।
संप्रति	- भारत संचार निगम लिमिटेड में एस.डी.ओ. पद से वर्ष 2006 में सेवानिवृत्ति के पश्चात् स्वतंत्र लेखन में संलग्न।
संपर्क	- दुबे कालोनी, बरही रोड कटनी 483501 (म.प्र.) दूरभाष-07622-235455, मो.09425411354, 09424914474

ISBN : 978-81-86602-75-1

Scanned with OKEN Scanner